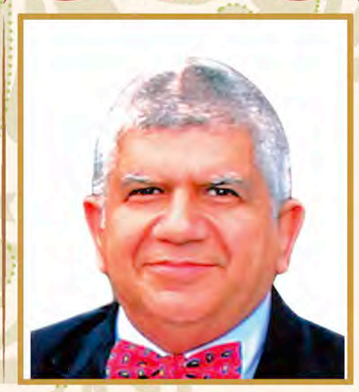

प्रो. रवि कान्त

Prof. Ravi Kant



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

प्रो. रवि कान्त

प्रो. रवि कान्त किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ उत्तर प्रदेश के उप कुलपति एवं सुप्रसिद्ध शिक्षाविद और आंकोसर्जन हैं।

2. आपका जन्म 14 सितम्बर, 1956 को हुआ था। आपने वर्ष 1977 में एम बी बी एस तथा 1982 में एम एस, दोनों ही उपाधियां किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय से प्राप्त कीं। के टी जी एम सी में चीफ रेजीडेंसी के बाद आपने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के एण्डोक्राइन सर्जरी यूनिट में एस आर के रूप में कार्य किया और बाद में परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतकय मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालयय लंदन विश्वविद्यालयय दम्माम विश्वविद्यालय तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल सहित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर राष्ट्रीय संस्थानों में संकाय सदस्य के रूप में कार्य किया। आपने लंदन के युनिवर्सिटी कॉलेज के नेशनल मेडिकल लेजर सेंटर, युनिवर्सिटी कॉलेज हॉस्पिटल तथा मिडिलसेक्स हॉस्पिटल, लंदन, यू केय मायो क्लिनिक, रोचेस्टर, मिन्नेसोता, यू एस ए तथा राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, मिलान, इटली में क्लिनिकल असिस्टेंट, अनुसंधान फेलो, अतिथि फेलो के रूप में भी कार्य किया।

3. आप चिकित्सा अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, आधारभूत शल्य कौशल पाठ्यक्रम, ब्लू प्रिंटिंग, एम सी क्यू राइटिंग, स्वनिदेशित शिक्षण एवं निर्धारण में सुधार सहित आधुनिक चिकित्सा पाठ्यक्रम का डिजाइन तैयार करने में मुख्य कर्ता–धर्ता रहे हैं। आपने युनिवर्सिटी ऑव लंदन तथा मायो क्लिनिक यू एस ए में अध्यापन का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया। आप रॉयल कॉलेज ऑव सर्जंस ऑव यू के साउदी बोर्ड, युनिवर्सिटी ऑफ दम्मामय अरेबियन गल्फ युनिवर्सिटी, बहरीन तथा कई एक भारतीय विश्वविद्यालयों की इंटरकॉलिजिएट परीक्षाओं के परास्नातक परीक्षक रहे हैं। आप बोस्टन युनिवर्सिटी, नॉर्थ वेस्टर्न युनिवर्सिटी, शिकागो, यू एस ए तथा सिडनी विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया में अतिथि सर्जन रहे हैं। शल्य चिकित्सा तथा सर्जिकल आंकोलोजी में आपके प्रयासों की मान्यता स्वरूप रॉयल कॉलिजेज ऑव सर्जंस ऑव इंग्लैंड, एडिनबर्ग, ग्लासगो तथा आयरलैण्ड, अमेरिकन कॉलेज ऑव सर्जंस, इंटरनेशनल कॉलेज ऑव सर्जंस, नेशनल अकेडेमी ऑव मेडिकल साइंसेज, इंडिया एंड एसोसिएशन ऑव सर्जंस ऑव इंडिया द्वारा आपको फेलो के रूप में शामिल किया गया।

4. उपकुलपति के पद पर रहते हुए आपने सौ साल पुराने किंग जार्ज मेडिकल युनिवर्सिटी के विकास की दिशा में बहुत–अधिक योगदान किया है। आपकी दृढ़ प्रतिबद्ध ता के परिणामस्वरूप नौ सुपर स्पेशियलिटी विभागों अर्थात नेफ्रोलोजी, मेडिकल आंकोलोजी, मेडिकल गैस्ट्रोइंटेरोलोजी, न्यूक्लिअर मेडिसिन, एण्डोक्राइन सर्जरी, थोरेसिक सर्जरी, वैस्कुलर सर्जरी एंड पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन की स्थापना हुई और उपर्युक्त विभागों में कुल 60 अध्यापकों के पदों की स्वीकृति मिली। आपने किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में संलग्न किए गए कौशल संस्थान, वर्चुअल क्लास, नर्सिंग संस्थान तथा पराचिकित्सा विज्ञान संस्थान की शुरूआत की और इन्हें विकसित किया। किंग जार्ज मेडिकल युनिवर्सिटी, लखनऊ में अंग प्रत्यारोपण विभाग के प्रधान के रूप में, आपके नेतृत्व में पहला अंग प्रत्यारोपण भी किया गया।

5. शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में आपको 275 से भी अधिक प्रस्तुतियों/आमंत्रित व्याख्यानों/प्रकाशनों का श्रेय प्राप्त है। स्तन कैंसर में विशिष्ट मालीकुलर शोध के साथ–साथ लेजर में आपके मौलिक शोध ने जनसाधारण के उपचार में मदद करने हेतु नया ज्ञान दिया है। आप सूचीबद्ध पत्रिकाओं के संपादक मंडल के सदस्य हैं तथा कई एक वैज्ञानिक सम्मेलनों और संगोष्ठियों का आयोजन किया है। आपने वर्ष 2006 में एसोसिएशन ऑव सर्जंस ऑव इंडियन और प्रेसीडेंट ऑव इंडियन एसोसिशन ऑव सर्जिकल आंकोलोजी के शासी परिषद सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

6. आपको, अपने कॅरिअॅर के शुरूआत से ही अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए। जापानी सर्जिकल सोसायटी ने आपको वर्ष 1993 में, आपके शल्यचिकित्सा के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए यंग सर्जंस पुरस्कार से सम्मानित किया। वर्ष 1992 में ऑरलैण्डों, यू एस ए में अमेरिकन सोसायटी ऑफ लेजर मेडिसिन सर्जरी से आपको सर्वोत्तम लेख पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 1991 में यू.के. द्वारा आपको कॉमनवेल्थ फेलोशिप तथा वर्ष 2000 में डब्ल्यू एच ओ फेलोशिप प्रदान की गई। वर्ष 2003 में दिल्ली सरकार ने आपको दिल्ली स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया। वर्ष 2004 में एसोसिएशन ऑव सर्जन ऑव इंडिया द्वारा एथिकॅन विजिटिंग प्रोफसरशिप का पुरस्कार प्रदान किया गया। आपको विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर–राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई एक सर्वोत्तम लेख पुरस्कार प्राप्त हुए। आपको प्रेसीडेंशियल ओरेशॅन ऑव इंडियन एसोसिएशन ऑव सर्जिकल आंकोलोजी सहित प्रतिष्ठित सर्जिकल निकायों द्वारा कई एक पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

Prof. Ravi Kant

Prof. Ravi Kant is Vice Chancellor of King George's Medical University UP, Lucknow is well known educationist and Oncosurgeon.

2. Born on 14th September 1956, Dr. Ravi Kant received his Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery (MBBS) degree in 1977 and Master of Surgery (MS) in 1982, both from King Georg's Medical College, Lucknow University. After Chief Residency in KTGMC, he worked in All India Institute of Medical Sciences, New Delhi in Endocrine Surgery Unit as SR & later as faculty in various National and International medical institutions including Post Graduate Institute of Medical Sciences, Rohtak; Maulana Azad Medical College, University of Delhi; University of London; University of Dammam; and All India Institute of Medical Sciences, Bhopal. He also worked as Clinical Assistant/ Research Fellow / Visiting Fellow at National Medical Laser Center of University College of London at University College Hospital and Middlesex Hospital, London UK; Mayo Clinic, Rochester, Minnesota, USA; and National Institute of Cancer, Milan, Italy.

3. Prof. Ravi Kant has been instrumental in designing modern medical curriculum including medical teachers training course, basic surgery skill course, blue printing, MCQ writing, self-directed learning and reforms in assessment. He gained first-hand knowledge of teaching in University of London and Mayo clinic USA. He has been postgraduate examiner of Intercollegiate Examinations of Royal College of Surgeons of UK; Saudi Board; University of Dammam; Arabian Gulf University, Bahrain; & many Indian universities. Dr. Ravi Kant has been visiting Surgeon at Boston University, North Western University, Chicago, USA and University of Sydney, Australia. In recognition to his endeavours in Surgery and Surgical Oncology, he has been inducted as Fellow by Royal Colleges of Surgeons of England, Edinburgh, Glasgow and Ireland, American College of Surgeons, International College of Surgeons, National Academy of Medical Sciences, India and Association of Surgeons of India.

4. Prof. Ravi Kant as Vice Chancellor has contributed immensely towards, growth of century old King George's Medical University. His perseverance resulted in nine super speciality departments i.e. Nephrology, Medical Oncology, Medical Gastroenterology, Nuclear Medicine, Endocrine Surgery, Thoracic Surgery, Vascular Surgery & Pulmonary & Critical Care Medicine with the sanction of total 60 teaching post in the above said departments. He initiated and nurtured Institute of Skill, Virtual Class, Institute of Nursing and Institute of Paramedical Sciences came in King Georg's Medical University. First Organ Transplant was also done in King George's Medical University, Lucknow under the leadership of Prof. Ravi Kant as Head of Department of Transplantation.

5. Prof. Ravi Kant has more than 275 presentations/invited lecture/publications to his credit in field of surgery. His original research in lasers along with land mark molecular research in breast cancer has given new knowledge to help treatment of masses. He is member of editorial board of indexed Journals and has organized many Scientific Conferences and Symposia. He served as Governing Council Member of Association of Surgeons of Indiana and President of Indian Association of Surgical Oncology in 2006.

6. Prof. Ravi Kant is recipient of numerous awards and honours since beginning of his career. Japanese Surgical Society conferred Young Surgeons Award in 1993 for his surgical work. He received best paper award from American Society of Laser Medicine and Surgery in 1992 in Orlando, USA. Commonwealth Fellowship was awarded in 1991 by United Kingdom and WHO Fellowship award in 2000. Delhi Government honoured him with Delhi State Award for excellence in 2003. Ethicon visiting professorship award was given by Association of Surgeon of India 2004. He has received many best paper awards in various National and International Conferences. He is also honoured with many Oration awards by prestigious surgical bodies including Presidential Oration of Indian Association of Surgical Oncology.